ISSN 2349-3887

# दोआबा

## समय से संगत

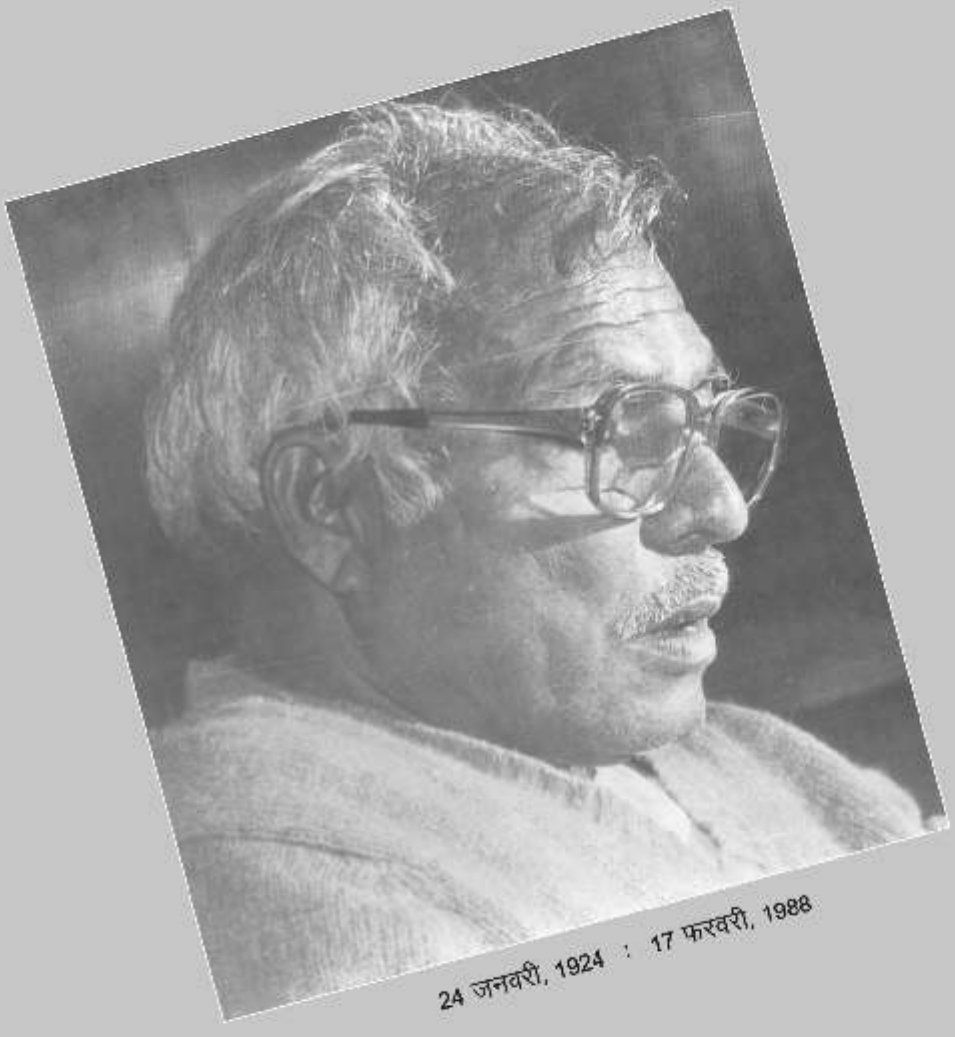

24 जनवरी, 1924 : 17 फरवरी, 1988

*उन्हें दुष्टात्मा कहना सही नहीं*
*वो निर्मल आत्माओं को*
*आहत ही तो करते हैं*
*अपने शब्दबाण से सहिष्णु प्राणियों को*
*लहूलुहान ही तो करते हैं*

*उन्हें सच को झूठ बनाने में महारत है*
*और सफेद को स्याह*
*वो रात की तारीकी में, और कभी-कभी*
*दिन के उजाले में भी*
*किसी चतुर शिकारी की तरह*
*न्याय की बिसात पर*
*अपने पासे फेंककर*
*मुस्कराने के आदी हैं*

*उनकी जेबें पक्ष-विपक्ष के समर्थन में*
*दस्तावेज़ी सबूतों से लैस होती हैं*
*समय-समय पर, वो इन सबूतों को*
*आगे-पीछे, बाएं-दाएं*
*करने की कला में पारंगत हैं*
*सुविधा के सभी दरवाज़े उनके लिए*
*हमेशा खुले रहते हैं*

*वो एक हुनरमंद, ज्ञानवान बौद्धिक हैं*
*आस्तिक-नास्तिक, सभी*
*उनके आगे झुकते हैं*
*हर दिन, एक नई रोचक व्याख्या के साथ*
*वो बौद्धिक जगत को भरमाते रहते हैं*
*उनके कहे-अनकहे का*
*बुरा नहीं मानते लोग*

*'चाक पर रेत' से*

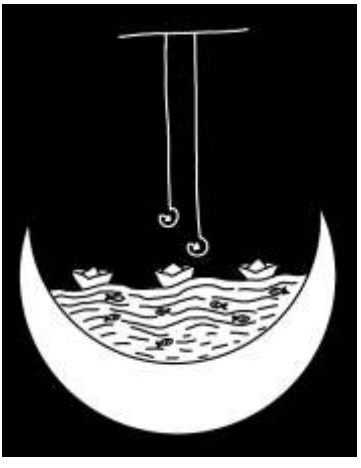

जनवरी-मार्च 2024

# दोआबा

समय से संगत

# दोआबा

समय से संगत

**जनवरी-मार्च 2024**
वर्ष 18 : अंक 48

***रेखांकन :*** अनुप्रिया

**मानद सहयोग**

**शहंशाह आलम**
**लता प्रासर, पवन कुमार, जावेद एक़बाल**

**प्रबंध**

**मोनिश हुसेन**

**कार्यालय :** सुनील हेम्ब्रम

**संपर्क**
247 एम आई जी
लोहियानगर, पटना - 800 020
e-mail : doabapatna@gmail.com
मो.-08409044236

सर्वाधिकार सुरक्षित

पाकीज़ा ऑफसेट
शाहगंज, पटना-800 006
मो.-09334116542

मूल्य : ₹ 175/- (डाक खर्च अलग)

रचनाओं में अभिव्यक्त विचार रचनाकारों के अपने हैं।
संपादक का इन विचारों से सहमत होना ज़रूरी नहीं।

***संपादक* : जाबिर हुसेन**
मो.-09431602575

जनवरी-मार्च 2024

# दोआबा

समय से संगत

## अनुक्रम

*जाबिर हुसेन :* अपनी बात / 05

**रचना समय**

*गोपाल माथुर :* कहीं कुछ नहीं / 18
*शोभा रानी गोयल :* स्त्री बुद्ध होती है / 26
*काजल पांडे :* जात न पूछो साधु की / 42
*सुधांशु गुप्त :* पूर्वाभ्यास / 46
*अमित रंजन :* हिपोक्रेटिक की शपथ / 56
*गजेन्द्र रावत :* कुर्सी / 66
*मार्टिन जॉन :* पेड़ों का दर्द / 71
*सारिका भूषण :* अजायबघर / 78
*वंदना गुप्ता :* उस मोड़ पर जाते ही / 84
*सत्य शुचि :* किसके लिए / 87

**संस्मरण**

*अरविन्द श्रीवास्तव :* बर्लिन में फ्रीडमन के साथ एक शाम / 88

**कविता समय**

उमा जयघोष / 91
राजेन्द्र नागदेव / 92
राजकिशोर राजन / 98
ललन चतुर्वेदी / 102
प्रीति सिन्हा / 107

**संवाद**

*शहंशाह आलम : जाबिर हुसेन के कथा-पात्रों को लेकर एक बातचीत / 110*

***गोयठा थापती लड़की*** *(चंदन)*
*पूनम सिंह :* निष्करुण समय का खुरदरा यथार्थ / 116

***सब तुम्हारा*** *(प्रणव प्रियदर्शी)*
*हरेराम त्रिपाठी 'चेतन' :* कविताओं के लय पर टूटती प्रेमिल संवेदनाओं की सांसें / 121

***दोआबा-40 ( जनवरी-मार्च, 2022 )***
*मनोरंजन सहाय : एक स्त्री के दृढ़ निश्चय का आख्यान* / 125

□ □